मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने का निर्देश दिया, क्षतिग्रस्त विक्रमशिला सेतु का भी जायजा लिया

मुंगेर-भागलपुर गंगा पथ पर मरीन ड्राइव बनेगा

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। पटना की तर्ज पर मुंगेर-भागलपुर गंगा पथ पर मरीन ड्राइव का निर्माण जल्द शुरू होगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को इसके स्थल का निरीक्षण किया और शीघ्र निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश पदाधिकारियों को दिया है।

मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित मुंगेर (सफियाबाद)-बरियारपुर-घोरघट-सुल्तानगंज गंगा पथ एवं सुल्तानगंज-भागलपुर-सबौर गंगा पथ परियोजना की समीक्षा बैठक भी की। मुंगेर स्थित बबुआघाट पर बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने परियोजना की जानकारी दी। मुंगेर भागलपुर गंगा पथ को इस तरह बनाया जायेगा जो शहर सुरक्षा बांध के रूप में भी काम करे। परियोजना की लागत 5327 करोड़ है। इसमें सरकार 40% एवं निजी डेवलपर 60% निवेश करेगा। परियोजना के लिए 699.06 एकड़ भूमि की जरूरत है। सीएम ने बिहार योग विद्यालय में स्वामी निरंजनानंद सरस्वती से मुलाकात की। पादुका दर्शन आश्रम में भगवान के दर्शन कर आरती में शामिल हुए। उन्होंने राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

मुंगेर में मंगलवार को गंगा पथ परियोजना की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी। साथ में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी व अन्य अधिकारी। ● हिन्दुस्तान

गंगा पथ परियोजना

1. **सफियाबाद से सुल्तानगंज तक:** गंगा नदी के समानांतर चार लेन कॉरिडोर चार वर्ष में बनेगा। कुल 42 किमी में 11.88 किमी एलिवेटेड होगा।
2. **सुल्तानगंज-भागलपुर से सबौर तक:** गंगा के समानांतर चार लेन कॉरिडोर बनेगा। 41.33 किमी लंबे कॉरिडोर में 10.56 किमी एलिवेटेड होगा।

खासियत: 34 घाट विकसित होंगे। पांच टोल प्लाजा और अगुवानी घाट के पास विश्राम क्षेत्र होगा।

सुल्तानगंज-अगुवानी घाट पुल 2027 तक पूरा होगा

मुख्यमंत्री ने सुल्तानगंज (भागलपुर) एवं अगुवानी घाट (खगड़िया) के बीच गंगा पर पहुंच पथ निर्माण कार्य एवं उच्चस्तरीय आरसीसी पुल का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। समीक्षा बैठक में पुल एवं पहुंच पथ का निर्माण 2027 तक पूरा करने का निर्देश दिया। सीएम ने ने खगड़िया-सहरसा पथ (एसएच-95) के उन्नयन, चौड़ीकरण की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने इसे गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य करते हुए दिसंबर 2026 तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इस दौरान सीएम के प्रधान सचिव दीपक कुमार भी थे।

विक्रमशिला सेतु की तीन माह में मरम्मत पूरी करें : मुख्यमंत्री

- क्षतिग्रस्त विक्रमशिला सेतु का सीएम ने किया हवाई सर्वेक्षण
- सीमा सड़क संगठन की टीम भागलपुर पहुंची, मरम्मत शुरू

पटना/भागलपुर, हिटी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को भागलपुर स्थित क्षतिग्रस्त विक्रमशिला सेतु का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को तीन महीने में पूरे पुल की नये सिरे से मरम्मत कर चालू करने तथा इस दौरान यातायात की वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

इधर, विशेषज्ञों की टीम पुल के गिरे हुए स्पैन की मरम्मत में जुट गई है। भागलपुर पहुंची सेना के सीमा सड़क संगठन की टीम ने स्थल निरीक्षण कर वैकल्पिक व्यवस्था शुरू करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। हवाई सर्वेक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी भी सीएम के साथ थे।

पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज पाल ने कहा कि क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत और इसके गिरने के कारण की जानकारी लेने के लिए राज्य मुख्यालय की विशेषज्ञों की टीम भागलपुर में कैंप कर रही है। आईआईटी और एनआईटी पटना के विशेषज्ञों से भी सलाह-मशवरा किया जा रहा है। रविवार की मध्य रात्रि को विक्रमशिला पुल का एक स्पैन गंगा नदी में गिर गया था।

25 साल पहले बना था पुल 4.7 किलोमीटर लंबा है यह सेतु

नाव के जरिए आवागमन

फिलहाल भागलपुर के बरारी घाट, बाबूपुर घाट से महादेवपुर घाट, नवगछिया तक नावों/जेटी के माध्यम से लोगों को आवागमन की सुविधा प्रदान की गई है। सरकारी नाव पर निःशुल्क यातायात की व्यवस्था है, जबकि निजी नाव के लिए किराया तय किया गया है।